सन्त-कवि तुलसीदास—परिचय

गोस्वामी तुलसीदास १६वीं शताब्दी के सन्त-कवि थे जो पावन नगरी, वाराणसी में रहते थे। वे प्रभु श्रीराम के भक्त थे और उनके द्वारा रचित 'श्रीरामचरितमानस' उनकी सर्वाधिक प्रसिद्ध कृति है जो कि उस समय की उत्तर भारत की स्थानीय भाषा, अवधी में 'रामायण' का पुनः कथन है। सम्पूर्ण भारत में आज भी कला, संस्कृति व समाज पर तुलसीदास जी का प्रभाव है।

©२०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।